स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com

RNI No: UPHIN/2023/86769

swarajindianews

swarajindianews

मूल्य: ₹ 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

# स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025

वर्ष: 02, अंक: 217, पृष्ठ: 8+4

इनसाइड सुशील कुमार की जमानत रद्द ... » Pg16

## सीएम योगी ने रखा 'विजन डॉक्यूमेंट-2047'

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

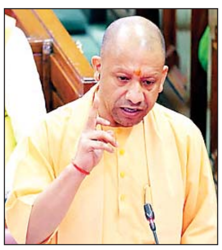

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र-2025 के दौरान आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों को संबोधित करते हुए 'विजन डॉक्यूमेंट-2047' सदन के पटल पर रखा। यह दस्तावेज़ प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब माना जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि 'नया उत्तर प्रदेश' अपनी समृद्ध विरासत पर गर्व करते हुए, बिना किसी भेदभाव के, 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के साथ विकास एवं समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने 'रामराज्य' की परिकल्पना को साकार करने के संकल्प के साथ प्रदेश को 2047 तक देश का अग्रणी राज्य बनाने की रूपरेखा प्रस्तुत की। वही इस दौरान समाजवादी पार्टी अन्य विपक्ष के विधायकों ने विजन 2047 को लेकर तमाम कटाक्ष भी किए।

## 12 साल में पहली बार लाल किले से आरआरएस का जिक्र

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रशंसा की। यह पहली बार है जब पीएम मोदी ने औपचारिक रूप से संघ का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने 100 साल की राष्ट्र की सेवा बहुत ही गौरवपूर्ण तरीके से की है। आज गर्व के साथ मैं इस बात का जिक्र करना चाहता हूं कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ।

# आप सभी शहरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

SWACHH SURVEKSHAN #Mera Shahar, Meri Pehchan 2023 · KANPUR SMART CITY LTD. · Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India · स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर · G20

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

कानपुर नगर निगम

# नगर निगम कानपुर

## आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।

नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग। इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

SAY NO TO PLASTIC

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री सुधीर कुमार आईएएस, नगर आयुक्त

# अखिलेश दुबे पर दोहरा वार: वक्फ जमीन कब्जा व किशोरी वाटिका गिराने का आदेश

**» ग्रीन पार्क के पास वक्फ की जमीन कब्जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज**

**» केडीए-प्रशासन की रिपोर्ट में अवैध कब्जा साबित, किशोरी वाटिका ढहाने की तैयारी**

**प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया**

कानपुर। चर्चित कारोबारी और विवादों में घिरे अखिलेश दुबे के लिए बुधवार का दिन दोहरी मुश्किलें लेकर आया। ग्रीन पार्क के सामने बेशकीमती वक्फ की करीब तीन बीघा जमीन कब्जाने के गंभीर आरोप में ग्वालटोली थाने में उनके साथ ही उनकी बेटी सौम्या दुबे, भाई सर्वेश दुबे, जयप्रकाश दुबे, शिवांश सिंह उर्फ पप्पू, राजकुमार शुक्ला और इंस्पेक्टर सभाजीत समेत कुल नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। शिकायतकर्ता 80 वर्षीय मोइनुद्दीन आसिफ जाह का कहना है कि यह जमीन मूल रूप से नवाब मंसूर अली की थी, जिसे वर्ष 1892 में शेख फखरुद्दीन हैदर ने खरीदा था। फखरुद्दीन के कोई वारिस न होने पर उन्होंने इसे वक्फ को दान दे दिया। आरोप है कि अखिलेश दुबे और उनके साथियों ने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए इस जमीन पर कब्जा कर लिया और यहां गेस्ट हाउस व किराए के कई कार्यालय खोल दिए। पुलिस ने इस मामले में धोखाधड़ी, कूटरचना, हत्या के प्रयास और धमकी जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

**किशोरी वाटिका पर गिरी प्रशासनिक गाज**

वहीं दूसरी ओर, विवादित संपत्तियों पर अवैध कब्जे को लेकर कानपुर विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन की संयुक्त जांच रिपोर्ट भी अखिलेश दुबे के खिलाफ आई है। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार की अगुवाई में बनी टीम, जिसमें केडीए सचिव और एसीपी बाबूपुरवा शामिल थे, ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में साफ कहा है कि किशोरी वाटिका कम्युनिटी सेंटर में हुए अनाधिकृत निर्माण को तुरंत गिराया जाए। इसके साथ ही नगर निगम पार्क से भी सभी अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए गए हैं। किशोरी वाटिका लंबे समय से अखिलेश दुबे के लिए प्रतिष्ठा और जिद का मुद्दा बनी हुई थी, लेकिन अब प्रशासन इसे पूरी तरह से खाली कराने के मूड में दिख रहा है। यह फैसला अखिलेश दुबे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि एक तरफ उन पर जमीन कब्जाने का मुकदमा दर्ज हो चुका है, वहीं दूसरी तरफ उनकी सबसे विवादित संपत्ति पर बुलडोजर चलने की तैयारी है।

# 79वां स्वतंत्रता दिवस... और बिल्हौर को अब भी बुनियादी हक का 'इंतज़ार'

- आज़ादी के 78 साल बाद भी जनता अधूरी सुविधाओं में जीने को मजबूर
- देश मना रहा है 79वां स्वतंत्रता दिवस, लेकिन बिल्हौर की आज़ादी 'अधूरी'

» रिज़वान कुरैशी, स्वराज इंडिया

**बिल्हौर (कानपुर)।** साल बदले, सरकारें बदलीं, जनप्रतिनिधि बदले, बदले प्रशासनिक अधिकारी, पर नहीं बदली वो है बिल्हौर की तस्वीर। बस स्टॉप, पार्क, स्टेडियम, डिग्री कॉलेज और जिला बनने की उम्मीद आज भी अधूरी है। आज़ादी के 78 साल बाद भी यह कस्बा कई मूलभूत सुविधाओं के लिए अब भी कतार में खड़ा है, मानो इसका स्वतंत्रता दिवस अभी आया ही न हो।

तहसील मुख्यालय होने के बावजूद यह कस्बा बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। यहाँ न तो बस स्टॉप है और न ही पार्क, न स्टेडियम और डिग्री कॉलेज है। कानपुर महानगर से जुड़ा होने के बावजूद, बिल्हौर के लोग खुद को ठगा हुआ और नज़रअंदाज किया हुआ महसूस कर रहे हैं। विकास की दौड़ में यह कस्बा पीछे रह गया है और मांगों का सिलसिला लंबे समय से जारी है। लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ना ही जनप्रतिनिधियों ने ज्यादा ध्यान दिया। स्थानीय लोग कहते हैं कि बस स्टॉप न होने के कारण उन्हें हाईवे पर खड़े होकर वाहनों का इंतजार करना पड़ता है। अब तो बाईपास बनने के बाद ज्यादातर बसें बाहर से गुजर जाती हैं। इसके अलावा बिल्हौर में खेलकूद के लिए कोई स्टेडियम नहीं है, परिवार के मनोरंजन के लिए कोई पार्क नहीं है और उच्च शिक्षा के लिए कोई डिग्री कॉलेज भी नहीं है।

स्थानीय व्यापारी और युवा कहते हैं कि विकास में लगातार देरी के कारण युवा शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि बिल्हौर के साथ यह अन्याय और उपेक्षा की हद है। आलम यह है कि बिल्हौर की एक बड़ी आबादी रात के समय कानपुर में सोने के लिए जाती है और अपने धंधे पानी के लिए सुबह होते ही बिल्हौर पहुंच जाती है। यह किसी दुर्भाग्य से कम नहीं कहा जा सकता।

## अदालत का झटका
## जिला बनाने की लंबी मांग

बिल्हौर का न्यायिक क्षेत्र कानपुर से हटाकर कानपुर देहात माती से जोड़ दिया गया। वकील लंबे आंदोलन के बावजूद इसे कानपुर वापस नहीं ला सके। इसका सीधा असर नागरिकों पर पड़ रहा है। साथ ही बिल्हौर को जिला बनाने की मांग वर्षों से उठ रही है। भाजपा नेता सियाराम कठेरिया ने इस मुद्दे पर कई दिनों तक क्रमिक अनशन किया। अब तक उन्होंने 350 से अधिक ज्ञापन अधिकारियों को सौंपे हैं। लोग कहते हैं कि अगर बिल्हौर को जिला बनाने की इनायत नहीं हुई, तो यह कस्बा हमेशा विकास और न्याय से वंचित रहेगा।

### नेता बहुत, नतीजे कम

बिल्हौर में नेताओं की लाइन लगी है। हर कोई खुद को जनता का मसीहा बताता है। चुनाव से पहले वादों की बरसात होती है, चुनाव बाद खामोशी का सूखा पड़ जाता है। भाषणों में बिल्हौर दिल्ली-लखनऊ से आगे निकल जाता है, लेकिन हकीकत में अब भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

### 15 अगस्त महज रस्म अदायगी तक सिमटा

15 अगस्त का दिन सिर्फ झंडा फहराने तक सीमित नहीं होना चाहिए। अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव, महेंद्र कुशवाहा, विनय गौतम, व्यापारी जावेद हसन, गुफरान कुरैशी, आसिफ इदरीसी आदि कहते हैं कि विकास की कमी, न्यायिक उपेक्षा और बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी बिल्हौर के लोगों के जज्बे को ठेस पहुंचा रही है। उनका कहना है कि अगर जिला और बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह कस्बा हमेशा पिछड़ा और ठगा हुआ ही रहेगा।

**व्यापार पर असर** — कभी आसपास की 7-8 शाखाओं का कैश संभालती थी, अब खुद के अस्तित्व के लिए जूझ रही

# एसबीआई की चेस्ट करेंसी बंद होने से बढ़ी मुश्किलें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**बिल्हौर (कानपुर)।** बीते वर्षों में आरबीआई के निर्देश पर एसबीआई बिल्हौर से चेस्ट करेंसी का दर्जा खत्म करके शाखा कन्नौज स्थानांतरित कर दी गई। 70 करोड़ की लिमिट वाली शाखा के हटने से बड़े कैश लेन-देन में परेशानी हो रही है। सबसे ज्यादा असर व्यापार पर पड़ा है। 52 साल पहले वर्ष 1973 में स्थापित यह शाखा कभी आसपास की 7-8 छोटी शाखाओं का कैश संभालती थी। लेकिन अब खुद अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रही है। आलम यह है कि यहां पर महज चार कर्मियों का स्टाफ रह गया है। वह भी तकनीक के जानकार नहीं हैं। अधिकांश उपभोक्ताओं का काम एक-दूसरे पर टालते दिखते हैं।

सबसे खराब स्थिति एसबीआई के लॉकर की है। बुधवार को लॉकर का उपयोग करने गए एक ग्राहक ने बताया कि लॉकर रूम में अंधेरा होने के कारण उन्हें मोबाइल की रोशनी से काम चलाना पड़ा। काफी देर बाद एक कर्मचारी खराब बल्ब बदलने के लिए आया है।

अब बिल्हौर शाखा को भी पतसिया, शिवराजपुर, उत्तरीपुरा, ककवन, रसूलाबाद, शिवली, अरौल जैसी शाखाओं की तरह जरूरत पड़ने पर दूसरों की तरफ निहारना पड़ता है।

## सम्पादकीय

# रिश्तों में खामोशी लीलती लाखों जिंदगी

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे-धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है।

# विषमता की खाइयां पाटना वक्त की जरूरत

क्षमा शर्मा

**स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है, अन्याय के विरोध की क्षमता भी स्वतंत्र देश के हर नागरिक में होनी चाहिए। एक स्वतंत्र समाज का दायित्व बनता है कि वह ऐसी स्थितियां बनाये कि हर नागरिक में अन्याय का विरोध करने की क्षमता जगे।'स्वराज में राहत तो होगी/ मज़दूर मगर भूखा होगा/ उसके बदले की रोटी/ दौलत वाला खाता होगा... आज़ादी चीज तो अच्छी है/ लेकिन है पैसे वालों की/ मजदूर को मजदूरी करनी/ गोरों के बजाय कालों की...।'**

यह पंक्तियां किसने लिखी हैं, यह तो नहीं पता, पर इतना अवश्य पता है कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान कुछ लोग इस तरह के गीत भी गाया करते थे। मैंने अपने पिताजी से बचपन में ये पंक्तियां सुनी थीं और यह बात वे तब कहते थे जब देश में आर्थिक या सामाजिक विषमता का कोई मुद्दा उठता था। समानता और बंधुता के सारे दावों के बावजूद विषमता की खाइयों की गहराइयां कम नहीं हो रहीं। बड़े-बूढ़ों से यह बात हम अक्सर सुनते रहते हैं कि आज़ादी पा लेने के बावजूद देश में समानता का वह सपना कहीं पूरा होते नहीं दिखता जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी देखा करते थे। यह एक सच्चाई अपने आप में बहुत कुछ कह देती है कि आज देश की आबादी के दस प्रतिशत ऊपरी हिस्से के पास देश की राष्ट्रीय संपति का 77 प्रतिशत हिस्सा है।आज जबकि हम अपनी आज़ादी के 78वें साल में दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने की ओर तेज़ी से बढ़ने के दावे कर रहे हैं, करोड़ों को गरीबी रेखा से उबारने की दुहाई दे रहे हैं, दुनिया की सबसे तेज़ी से सुधरती अर्थव्यवस्था होने का दम भर रहे हैं, स्वयं को विश्वगुरु मान रहे हैं तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि देश की 80 प्रतिशत आबादी को सरकार द्वारा दिये जाने वाले प्रतिमाह 5 किलो अनाज पर जीवन-यापन क्यों करना पड़ रहा है? सरकारी मदद को भीख कहना अच्छा नहीं लगता है, पर हकीकत है- इससे भी तो इन्कार नहीं किया जा सकता।बरसों पहले भारत की संसद में उठा तीन आने और तेरह आने वाला सवाल एक तरह से आज भी मुंह बाये हमारे सामने खड़ा है। देश की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए समाजवादी विचारक और नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चुनौती दी थी कि वे इस स्थापना को गलत साबित करके बतायें कि देश के 27 करोड़ लोग तीन आने से भी कम पैसे में अपना जीवन-यापन करने के लिए विवश हैं। तब रुपये में सोलह आने हुआ करते थे और देश की आबादी भी 50-55 करोड़ थी। अपने उस भाषण में डॉ. लोहिया ने देश की संसद में कहा था, 'देश के प्रधानमंत्री पर प्रतिदिन पच्चीस हज़ार रुपये खर्च होते हैं! जबकि, देश का आम नागरिक प्रतिदिन तीन आने में अपना काम चलाने के लिए बाध्य है।' ज्ञातव्य है कि तब प्रधानमंत्री नेहरू ने डॉ. लोहिया की इस स्थापना को ग़लत तो कहा था, पर उन पर देशद्रोही होने का आरोप नहीं लगाया था।आज़ादी की लड़ाई के दौरान स्वराज में मजदूर के भूखा सोने की बात कहने वाले की आलोचना तब भी होती थी, पर उन्हें देशद्रोही नहीं समझा जाता था। आज हम आज़ाद हैं, और आज़ादी का तकाज़ा है कि हम सतत? सावधान रहने की शर्त को पूरा करने वाले नागरिक सिद्ध हों। नागरिक की जागरूकता स्वतंत्र देश की सार्थकता की पहली शर्त है। आज जबकि हम आज़ादी की 78वीं सालगिरह मनाए जा रहे हैं, हममें से हर एक को अपने आप से यह पूछना होगा कि सतत? जागरूकता की इस कसौटी पर हम कितना सफल सिद्ध होते हैं? पूछना तो हमें अपने आप से यह भी है कि क्या वह पूरी आज़ादी हमने पा ली है जिसकी शपथ 95वें साल पहले हमने रावी नदी के तट पर ली थी?

यह पूरी आज़ादी की शपथ देश ने कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में ली थी। इस पूरी आज़ादी का मतलब सिर्फ अपना शासन नहीं था।

# आत्मीय संवाद से रिश्तों की गरिमा की रक्षा

## विकृतियों का क्रास

डा0 जगदीप सिंह

**आज यदि पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में हिंसक प्रवृत्तियां विकसित हो रही हैं तो कहीं न कहीं संवादहीनता उसके मूल में है। एक-दूसरे के मनोभावों को समझकर और संवेदनशीलता के साथ टकराव को टाला जा सकता है।भारतीय समाज में सामंती सोच खत्म नहीं हुई है – इसका एक उदाहरण हाल ही में गुरुग्राम में देखने को मिला। दस जुलाई को एक राज्यस्तरीय टेनिस खिलाड़ी बेटी की उसके ही पिता ने गुस्से में आकर गोली मारकर हत्या कर दी। कारण? बेटी की कमाई पर आश्रित रहने वाले पिता को यह ताना सुनना पड़ता था कि वह अपनी बेटी से कमाकर खा रहा है।**

पिता के अनुसार, आस-पड़ोस के लोग उसे ताना देते थे कि वह बेटी से एकेडमी बंद नहीं करवा सका। इसी कुंठा और सामाजिक दबाव में उसने अपनी ही संतान की जान ले ली।किताबों में यह सच पढ़ाया जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों की हर उपलब्धि मां-बाप के लिए गर्व का विषय होती है। मगर यहां स्थिति उलट है—बेटी ने न केवल अपने पिता के सपनों को साकार करते हुए एक सफल टेनिस खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाई, बल्कि आगे चलकर एक टेनिस अकादमी भी शुरू की। यही सफलता उसके लिए काल बन गई, क्योंकि पिता और आस-पड़ोस की दकियानूसी सोच उसकी राह का रोड़ा बन गई।यह केवल एक रिश्ते की हत्या नहीं है। आज के समय में पति-पत्नी, मां-बच्चे, गुरु-शिष्य जैसे रिश्तों के बीच की संवेदनशीलता और आत्मीयता भी कमजोर पड़ती जा रही है—वही आत्मा से उपजे आदर्शों की वह धरती, जहां संबंधों के फूल खिला करते थे, अब मुरझा रही है।

हम जिस समाज की कल्पना करते हैं—जहां रिश्ते स्नेह, सम्मान और सहयोग की बुनियाद पर टिके होते हैं — वहां आज नफरत, ईर्ष्या और अपूर्ण आकांक्षाओं की घातक छाया फैलती जा रही है।आज की भौतिकतावादी दौड़ ने समाज में ऐसी विकृत मूल्य प्रणाली को जन्म दिया है, जिसमें व्यक्ति किसी भी कीमत पर आगे बढ़ना चाहता है—चाहे वह नैतिकता की हत्या करके ही क्यों न हो। अपनी छवि को %पाक-साफ% बनाए रखने की होड़ और दूसरों की सफलता से उपजी ईर्ष्या ने इंसानी सोच को इतना विषाक्त कर दिया है कि रिश्तों और जिम्मेदारियों की गरिमा ही नष्ट होती जा रही है।अगर गुरुग्राम में एक पिता अपनी ही बेटी की सफलता से जलकर उसे गोली मार देता है, तो वहीं एक कस्बाई शहर में एक स्कूल प्राचार्य को इसलिए गोली मार दी जाती है क्योंकि वह छात्रों को अनुशासन का पाठ पढ़ा रहा था — उन्हें सही ढंग से कपड़े पहनने, बाल संवारने और नशे से दूर रहने की सलाह दे रहा था।यह उदाहरण दर्शाते हैं कि कैसे विकृत मूल्यों की बलि वेदी पर आज न जाने कितने रिश्ते, आदर्श और जीवन मूल्य रोज़ कुर्बान हो रहे हैं। माहौल में एक अजीब किस्म की हिंसा और असहिष्णुता घर कर गई है। समाज जैसे संवेदना-विहीन होता जा रहा है —जहां न शिक्षा का सम्मान है, न रिश्तों की पवित्रता की कोई जगह बची है।

# कानपुर में कांग्रेसियों ने मशाल जुलूस निकालकर जताया विरोध

» कानपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला की अगुवाई में चुनाव आयोग और मोदी सरकार के खिलाफ गरजे नेता

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

कानपुर। नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने बुधवार शाम लाल बंगला बाजार में मशाल जुलूस निकालकर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हाथों में जलती मशालें और विरोध के नारे लिखी तख्तियां लेकर सड़कों पर उतरे।

शाम ढलते ही लाल बंगला चौराहे पर कांग्रेसजन फ्रवोट चोर गद्दी छोड,चुनाव आयोग शर्म करो, फ्रराहुल गांधी जिंदाबाद, अजय राय जिंदाबाद जैसे नारे लगाते हुए आगे बढ़े। जुलूस में युवाओं के साथ महिलाओं की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा, चुनाव आयोग की वोट चोरी राहुल गांधी ने उजागर कर दी है। अब हमें यह बात घर-घर तक पहुंचानी है। देश का माहौल बदल रहा है और जनता राहुल जी से उम्मीदें लगाए बैठी है। सभी कांग्रेसियों को एकजुट होकर माहौल बनाना होगा।

पूर्व विधायक सोहेल अंसारी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा,देश में कांग्रेस की सरकार बनना तय है। चुनाव आयोग की कारस्तानियों में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

राहुल गांधी संसद में सवाल पूछते हैं और प्रधानमंत्री जवाब देने के बजाय भागते हैं, इसलिए हम सड़कों पर उतरकर जवाब मांग रहे हैं।

जुलूस में पूर्व विधायक सोहेल अंसारी, अंकित कन्नौजिया, प्रतिभा अटल पाल, अवनीश सलूजा, पूर्व पार्षद सुमन तिवारी, बाबू राम सोनकर, सतीश दीक्षित, शक्ति पांडेय, चेतन चौहान, ईखलाक अहमद डेविड, मानेश दीक्षित, धर्मराज सिंह, संदीप मिश्रा, अबु खान, विवेक दीक्षित, अभिषेक पाल, नीरज पंडित, निखिल गुप्ता, शुभम राजपूत, अमन सिंह, अफताब हसन, गुड्डू पाल, तिलक चंद्र, सोनू तिवारी, सर्वेश यादव, एजाज राशिद, अभिषेक शुक्ला, अभिषेक दीक्षित, दिलशाद अहमद, सुरेंद्र यादव, जीशान अहमद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।लाल बंगला बाजार में मशालों की रोशनी और गूंजते नारों के बीच यह जुलूस देर शाम तक चलता रहा, जिसने इलाके का माहौल पूरी तरह गर्मा दिया।

# सांसद भोले के पैतृक गांव स्थित कंचौसी रेलवे स्टेशन पर बढ़ेंगी सुविधाएं

» बनेगा रैंप वाला फुट ओवर ब्रिज और बढ़ेगा प्लेटफॉर्म

» अकबरपुर लोकसभा से सांसद हैं देवेंद्र सिंह भोले

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कंचौसी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को जल्द ही बड़ी सौगात मिलने वाली है। स्टेशन पर 5.3 करोड़ रुपये की लागत से रैंप युक्त फुट ओवर ब्रिज का निर्माण होगा, जबकि 8.1 करोड़ रुपये से प्लेटफॉर्म नंबर एक की लंबाई बढ़ाई जाएगी।

इन परियोजनाओं की मंजूरी कस्बा निवासी दीपक गौर की पहल पर मिली है, जिन्होंने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव और वरिष्ठ अधिकारियों को ट्वीट कर यात्री सुविधाओं की मांग की थी।वर्तमान में स्टेशन का फुट ओवर ब्रिज पुराना और खड़ी सीढ़ियों वाला है, जिससे बुजुर्ग यात्रियों को दिक्कत होती है। वहीं, प्लेटफॉर्म नंबर एक एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए छोटा पड़ता है, जिसके कारण ट्रेन का अंतिम डिब्बा पावर हाउस के पास झाड़ियों के बीच अंधेरे में खड़ा हो जाता है।इसके अलावा, स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर खोलने की मांग भी की गई है। इटावा के सहायक मंडल अभियंता के अनुसार, कमर्शियल विभाग की स्वीकृति मिलने पर काउंटर शुरू किया जाएगा। प्रयागराज मंडल के जन संपर्क अधिकारी अमित कुमार ने पुष्टि की है कि दोनों परियोजनाओं का बजट स्वीकृत हो चुका है और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा।

# जिलाध्यक्ष राजा भरत अवस्थी का फूलमालाओं से हुआ स्वागत

» आठवें वेतन आयोग के गठन की मांग उठी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बीएसए कार्यालय गोविंद नगर में बेसिक शिक्षा परिषद कर्मचारी एसोसिएशन ने राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के नव नियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री एवं जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी का भव्य स्वागत किया। स्वागत प्रदेश महामंत्री सहाब सरताज के नेतृत्व में फूलमालाओं और पुष्पगुच्छ देकर किया गया। राजा भरत अवस्थी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा के बावजूद अभी तक समिति का गठन और कार्य शुरू न होने से कर्मचारियों में अविश्वास का माहौल है। कार्यक्रम में परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणधीर सिंह यादव, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र अवस्थी, उपाध्यक्ष सुखेंद्र सिंह यादव, अनुग्रह त्रिपाठी, परवेज़ आलम, संजीव पाल समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

# कानपुर में साइबर क्राइम का भंडाफोड़, 4.50 करोड़ फ्रीज़, कॉल सेंटर संचालक गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर की साइबर क्राइम टीम ने बड़े पैमाने पर ई-कॉमर्स धोखाधड़ी और कॉल सेंटर संचालन में लिप्त गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मुख्य अभियुक्त पुलकित द्विवेदी को गिरफ्तार किया है, जबकि सह-अभियुक्त सत्यकाम साहू समेत दो अन्य फरार हैं।पुलिस के अनुसार, गिरोह Webi&y Technologies Pvt. Ltd. और ग्लोबल ट्रेड प्लाज़ा नामक ई-कॉमर्स वेबसाइट के जरिए ग्राहकों से डील कर पैसे लेता था और फिर संपर्क तोड़ देता था। ग्रीन पार्क स्थित कॉल सेंटर में 56 कर्मचारी कार्यरत थे, जिनमें कई को असली गतिविधियों की जानकारी नहीं थी। नौकरी छोड़ने पर कर्मचारियों को धमकाया जाता था।छापेमारी के दौरान पुलिस ने मोबाइल, डेस्कटॉप, लैपटॉप, फर्जी दस्तावेज बरामद किए और 6 बैंक खातों में जमा ?4.50 करोड़ को फ्रीज़ कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी विदेशी वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल कर भारत सहित कई देशों के नागरिकों को ठगते थे।साइबर क्राइम टीम के मुताबिक, यह रैकेट 2020 से संचालित हो रहा था और हज़ारों करोड़ रुपये के धोखाधड़ी में संलिप्त माना जा रहा है। फरार आरोपियों की तलाश और उनकी संपत्ति जब्ती की कार्वाई जारी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ जनपद - कानपुर देहात की ओर से
जनपद के समस्त कर्मचारियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं जनपदवासियों
महेंद्र प्रताप सिंह
जिलाध्यक्ष
भारत सिंह
जिला-संरक्षक
राजकुमार
कार्यवाहक जिलाध्यक्ष
राधेश्याम पाल
कार्यकारणी अध्यक्ष
15 August
स्वतंत्रता दिवस
एवं
कृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक शुभकामनाएं
जमील अहमद
उपाध्यक्ष
आशुतोष कुमार
जिला मंत्री
बलवान सिंह
जिला उपाध्यक्ष
INDIA

आप सभी ग्रामवासियों व
क्षेत्रवासियों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
मोहम्मद नफीश
ग्राम प्रधान अकोढ़ी
ग्राम पंचायत अकोढ़ी
विकास खण्ड मलासा
कानपुर देहात
अमरेश सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत अकोढ़ी
विकास खण्ड मलासा
कानपुर देहात

आप सभी ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
निर्भय यादव ग्राम प्रधान लेवामऊ
विकास खंड मलासा, कानपुर देहात

आप सभी ग्रामवासियों व
क्षेत्रवासियों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
रिंकल सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी डीग
विकास खंड मलासा कानपुर देहात
INDIA

आप सभी ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जगदीश निषाद ग्राम पंचायत भरतौली
विकास खंड मलासा कानपुर देहात

आप सभी ग्रामवासियों व
क्षेत्रवासियों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
शिल्पी गुप्ता
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खंड मैथा जनपद कानपुर देहात
INDIA

# सेंट मैरी कॉन्वेंट की छात्राओं ने डिज़ाइनिंग प्रतियोगिता में चमकाया नाम

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। पर्ल अकादमी और इनोविया अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में लैंडमार्क, कानपुर में आयोजित डिज़ाइनिंग कार्यशाला एवं प्रतियोगिता में सेंट मैरी कॉन्वेंट हाई स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।शहर के 12 स्कूलों की छात्राओं के बीच हुई इस प्रतियोगिता में फैशन, ग्राफिक और संचार डिज़ाइनिंग की तीन श्रेणियां शामिल थीं। श्रीमती ज़ेड ज़मान के मार्गदर्शन में सेंट मैरी कॉन्वेंट की 10 सदस्यीय टीम ने अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन प्रदर्शन किया।फैशन डिज़ाइनिंग श्रेणी में कक्षा 11 की छात्राएं आरोही जौनपुरिया और समृद्धि कपूर ने टीम बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ ही स्कूल को ओवरऑल रनर-अप ट्रॉफी से भी नवाज़ा गया।यह प्रतियोगिता छात्राओं के लिए न सिर्फ़ एक यादगार अनुभव रही, बल्कि उन्हें पेशेवरों से सीखने और अपने हुनर को निखारने का भी अवसर मिला।

15 AUGUST
ना पूछो जमाने से, क्या हमारी कहानी है।
हमारी पहचान तो बस इतनी है कि हम हिंदुस्तानी हैं।
सभी देशवासियों को आजादी के महापर्व
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
अभिजीत सिंह सांगा
विधायक बिठूर विधानसभा
भद्रेश्वर प्रापर्टी
अमित पाल 'डायरेक्टर'
सांगा सेवक
टिकरा बाबा मार्केट, कानपुर नगर मोबाइल नंबर 8853318701

आप सभी
क्षेत्रवासियों
व देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
NEW
ANVI HOSPITAL
24X7 EMERGENCY SRVICE AVAILABLE
डॉ. यार मोहम्मद
डायरेक्टर
मों -9305224481, 7379752010
पता-पुनऊ जाख बाबा मंदिर के पास
हंसपुरम नौबस्ता कानपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों व
देशवासियों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
शिवम दीक्षित
पार्षद वार्ड 106 कलेक्टरगंज
नगर निगम कानपुर
INDIA

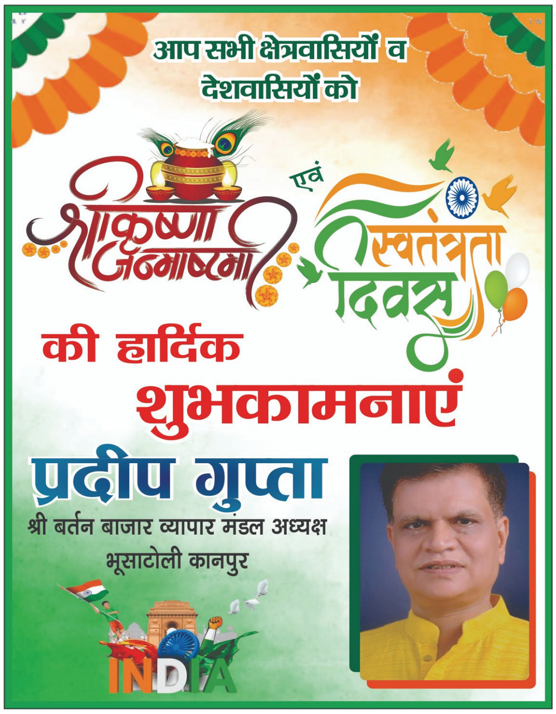
आप सभी क्षेत्रवासियों व
देशवासियों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
प्रदीप गुप्ता
श्री बर्तन बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष
भूसाटोली कानपुर
INDIA

आप सभी ग्रामवासियों व
क्षेत्रवासियों को
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
ग्राम प्रधान ऊषा देवी
ग्राम पंचायत भदेसा
विकास खंड सरवन खेड़ा
जनपद कानपुर देहात
सुधीर अवस्थी
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खंड सरवन खेड़ा
जनपद कानपुर देहात

INDIA
बिल्हौर आयुर्वेदिक
हेल्थ केयर सेन्टर
15 अगस्त एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुराग यादव
मो. 8081178017, 8887898326
INDIA
पता: मुरादनगर (कृष्णा नगर) जीटी रोड, बिल्हौर, कानपुर नगर
निकट- बी.पी.सी.एल. पेट्रोल पम्प (श्रीजी फिलिंग स्टेशन) के बगल में

इंग्लिश मीडियम
एम.एल.के.डी.
पब्लिक स्कूल
KG to 8th
15 अगस्त एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक शुभकामनाएं
एनबी सिंह
मों. 9936801700 प्रधानाचार्य
(B-ED /M-ED)
पता- पुराना अरौल कानपुर नगर
(अरौल थाने के पास)
मेवा लाल
मैनेजर
INDIA

INDIA
न्यू
शुभ हॉस्पिटल
15 अगस्त एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक शुभकामनाएं
योगेश सिंह
मों. 9936801700 डायरेक्टर
INDIA
पता - 1626, लवकुशपुरम टूटी पुलिया
पुराना शिवली रोड कल्याणपुर कानपुर नगर

# कानपुर में पार्किंग व्यवस्था होगी स्मार्ट और सुव्यवस्थित

**» पुलिस और केडीए अफसरों से मिलकर नगर निगम ने बनाई कार्ययोजना**

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में बढ़ती पार्किंग समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार को मोतीझील सभागार में नगर आयुक्त सुधीर कुमार की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में पार्किंग प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में ट्रैफिक पुलिस, केडीए, जिला प्रशासन, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, केस्को समेत सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।निर्णयों के अनुसार, शहर में विधिवत पार्किंग स्थलों का चिन्हितकरण कर वहां स्पष्ट साइनबोर्ड और मार्किंग की जाएगी, ताकि नागरिकों को आसानी हो। वहीं, जहां यातायात बाधित होने की संभावना है, उन स्थानों को नो-पार्किंग जोन घोषित किया जाएगा और संकेतक लगाए जाएंगे।चिन्हित पार्किंग स्थलों पर पाए गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने और अवैध पार्किंग करने वालों पर जुर्माना एवं वाहन जब्ती की कार्यवाही करने का भी निर्णय लिया गया। इसके साथ ही डिजिटल टिकटिंग और कैमरा निगरानी जैसे तकनीकी साधनों का इस्तेमाल कर पार्किंग व्यवस्था को और मजबूत बनाने की योजना बनाई गई है।नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और जनता को पार्किंग नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया जाए। इन कदमों से न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि आम नागरिकों को भी राहत मिलेगी।

# कानपुर में विकास की नई उड़ान, झकरकटी तालाब बनेगा आकर्षण का केंद्र

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कानपुर नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने शहरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए स्वच्छता और जन-सहभागिता का संदेश दिया। उन्होंने स्वच्छता ही सेवा के संकल्प को अपनाने का आह्वान किया और कहा कि नगर निगम के प्रयास तभी सफल होंगे जब नागरिक सक्रिय रूप से इसमें भाग लेंगे।

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में नगर निगम ने कई ठोस कदम उठाए हैं। प्रमुख वार्डों को मॉडल वार्ड के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है, जहां स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं के उच्च मानक स्थापित होंगे। इसी क्रम में झकरकटी स्थित तालाब का 4.38 करोड़ की लागत से सौंदर्यीकरण कार्य तेज गति से जारी है। यहां 465 मीटर लंबा पाथवे मॉर्निंग वॉक और फिटनेस गतिविधियों के लिए बनाया जा रहा है। साथ ही आरामदायक बेंच, पर्याप्त लाइटिंग, पेयजल सुविधा, स्वच्छ शौचालय, आधुनिक चिल्ड्रन्स पार्क और ओपन जिम की व्यवस्था भी होगी। नगर आयुक्त ने पर्यटन को बढ़ावा देने और नगर निगम की आय में वृद्धि के लिए लाइट शो और फव्वारे की स्थापना के निर्देश भी दिए हैं। आगंतुकों की सुविधा के लिए 150 वाहनों की क्षमता वाला समर्पित पार्किंग स्थल तैयार किया गया है, जिससे यातायात व्यवस्था सुगम होगी।यह परियोजना युवाओं के लिए फिटनेस स्पेस, बच्चों के लिए सुरक्षित खेल क्षेत्र और वरिष्ठ नागरिकों के लिए शांत, हरित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराएगी।

कानपुर का यह नया आकर्षण न केवल शहरवासियों के लिए आनंद का केंद्र बनेगा बल्कि शहर के पर्यटन और छवि को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

# विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि

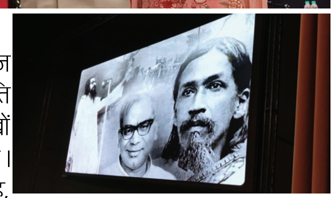

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर 1947 में जान गंवाने वाले लाखों अनाम व्यक्तियों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ दीक्षा जैन सहित अधिकारियों व प्रबुद्ध जनों ने दो मिनट का मौन रखकर विभाजन पीड़ितों का सम्मान किया। प्रदर्शनी में विभाजन से जुड़े अभिलेख, तस्वीरें व लघु फिल्म प्रदर्शित हुई। कई समाजसेवियों को सम्मानित भी किया गया।

# अयोध्या में पत्रकारों की 14 किमी ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा

## देशभक्ति का उमड़ा सैलाब

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

अयोध्या। गुरुवार को जिले के सैकड़ों पत्रकारों ने 14 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया। सहादतगंज चौराहे से आईजी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में शुरू हुई यात्रा श्रीराम जन्मभूमि होकर लता चौक पर समाप्त हुई। जगह-जगह पुष्पवर्षा और देशभक्ति गीतों के बीच शहर में एकता व गौरव की लहर दौड़ गई। श्रीराम मंदिर के समक्ष तिरंगे को नमन कर पत्रकारों ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि और राष्ट्र की अखंडता के संरक्षण का संकल्प लिया।

सभी देशवासियों व क्षेत्रीय लोगों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

# मां तुझे प्रणाम रैली: मोतीझील से शुरू हुई रैली, देशभक्ति के रंग में रंगा कानपुर

रैली में सभी विभागों के अधिकारी शामिल हैं। सबसे आगे रथ पर भारत माता की प्रतिमा चल रही है। पीछे-पीछे ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल), आयुध पैराशूट निर्माणी, लघु शस्त्र निर्माणी, ट्रूफ कंफर्ट लिमिटेड (टीसीएल), आयुध उपस्कर निर्माणी (ओईएफ), स्कूल, सामाजिक संगठन व विभागों की झांकियां चल रही हैं। रैली का स्वागत जगह-जगह किया गया। कानपुर एयरोमॉडलिंग क्लब की ओर से इस बार भी मोतीझील में ड्रोन के माध्यम से तिरंगा फहराया गया

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। कानपुर में स्वतंत्रता दिवस के मौके परा मां तुझे प्रणाम की ओर से शुक्रवार को मोतीझील से रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमांडर रेड ईगल ब्रिगेड स्टेशन कमांडर कानपुर, सेना मेडल ब्रिगेडियर शबरुल हसन ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

रैली में सभी विभागों के अधिकारी शामिल हैं। सबसे आगे रथ पर भारत माता की प्रतिमा चल रही है। पीछे-पीछे ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल), आयुध पैराशूट निर्माणी, लघु शस्त्र निर्माणी, ट्रूफ कंफर्ट लिमिटेड (टीसीएल), आयुध उपस्कर निर्माणी (ओईएफ), स्कूल, सामाजिक संगठन व विभागों की झांकियां चल रही हैं। रैली का स्वागत जगह-जगह किया गया।

कानपुर एयरोमॉडलिंग क्लब की ओर से इस बार भी मोतीझील में ड्रोन के माध्यम से तिरंगा फहराया गया। आकाश में ऊंचाई तक जाकर ड्रोन से फूल भी बरसाए गए।

रैली में देशभक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर कलानिधि डांस एकेडमी के कलाकारों, अपराजिता संस्था की महिलाओं और बच्चों ने शानदार नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों ने जोश और उत्साह के साथ कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। साथ ही, स्वतंत्रता दिवस के पर्व को और भी यादगार बना दिया।

मां तुझे प्रणाम रैली में देशभक्ति के साथ-साथ देश की चुनौतियों को भी दर्शाया गया। इसी कड़ी में, एक झांकी में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भावुक चित्रण किया गया। इस प्रदर्शन में कलाकारों ने पहलगाम आतंकी हमले के दौरान पीड़ितों और सुरक्षाबलों की स्थिति को दिखाया।

मां तुझे प्रणाम रैली में युवाओं और महिलाओं ने हाथों में पोस्टर लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कुछ लोगों ने प्लास्टिक की बोतलों से बनी पोशाक पहन रखी थी, जो प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैला रही थी। पोस्टरों पर प्रकृति नहीं करेगी, तो हम भी नहीं करेंगे और नो टू प्लास्टिक जैसे नारे लिखे थे, जो प्रकृति को बचाने की अपील कर रहे थे।

रैली में अखंड हिंद फौज ने अपनी देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने सुरक्षाबलों की वर्दी पहनकर एक शानदार प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुति में भारतीय सेना के पराक्रम और देश के प्रति समर्पण की भावना साफ नजर आ रही थी। दर्शकों ने बच्चों की इस प्रस्तुति की जमकर सराहना की।

# 1857 की क्रांति के अग्रदूत मौलवी अहमदुल्ला शाह

समीर शाही/स्वराज इंडिया

## धोखे से खत्म हुई वीरगाथा: फैजाबाद के अमर क्रांतिकारी मौलवी अहमद उल्ला शाह

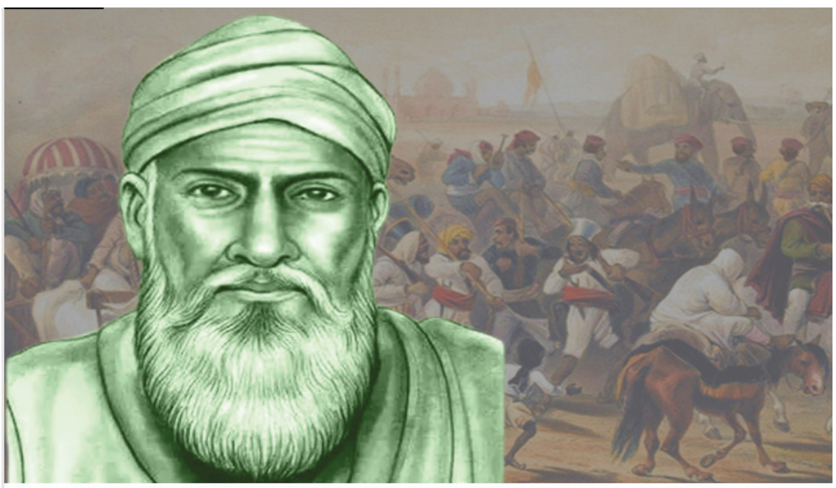

अयोध्या। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भारत की आजादी की सबसे बड़ी ज्वाला थी, जिसमें फैजाबाद की भूमिका अद्वितीय रही। इस क्रांति के केंद्र में थे मौलवी अहमद उल्ला शाह वो शख्स, जिनका जीवन रहस्य, साहस और संघर्ष का प्रतीक बन गया।

मौलवी अहमद उल्ला शाह का जन्म चेन्नई के चिन्नयापट्नम में नवाब अराकाट के घर हुआ। असली नाम था जियाउद्दीन। बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के कारण उनका रुझान सूफी संतों की ओर रहा। सूफी संत कुरबान अली और मेहराब शाह से शिक्षा पाकर उन्होंने आध्यात्मिकता के साथ-साथ अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष का संकल्प लिया।फरवरी 1857 में उनका कारवां आगरा से फैजाबाद पहुंचा। चौक में डेरा डालकर उन्होंने धार्मिक प्रवचन के साथ आजादी का संदेश फैलाना शुरू किया। यह संदेश गांव-गांव गूंजने लगा, जिससे अंग्रेज प्रशासन घबरा गया। गिरफ्तार कर जेल में डालने और फांसी की सजा सुनाने के बावजूद उनके जज्बे को रोका नहीं जा सका।8 जून 1857 को अंग्रेजी सेना के ही कुछ क्रांतिकारी सैनिकों ने फैजाबाद जेल पर धावा बोलकर मौलवी को आजाद करा लिया। फैजाबाद को स्वतंत्र घोषित किया गया और मेहदौना के राजा मान सिंह को शासक बनाया गया। इसके बाद मौलवी अपनी फौज के साथ लखनऊ की ओर बढ़े और चिनहट की ऐतिहासिक लड़ाई में अंग्रेजों को 87 दिनों तक कैद में रखा। हालांकि अंग्रेजों ने पूरी ताकत झोंककर क्रांतिकारियों को परास्त किया, लेकिन मौलवी ने हार नहीं मानी। वे शाहजहांपुर पहुंचे और आजादी की लौ जलाते रहे। लेकिन 15 जून 1858 को पुवायां के जमींदार ने 50 हजार रुपये इनाम के लालच में गद्दारी की। धोखे से उनकी हत्या कर दी गई और उनका सिर अंग्रेजों को सौंप दिया गया।आज, मौलवी अहमद उल्ला शाह का नाम फैजाबाद के इतिहास में डंका शाह के रूप में अमर है — वो शेरदिल, जिसने आखिरी सांस तक भारत की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। उनका बलिदान हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता सिर्फ एक उपहार नहीं, बल्कि अनगिनत बलिदानों की विरासत है।

# मलासा में युवा जोश के साथ लहराया तिरंगा

» युवा प्रधान प्रत्याशी रवि सिंह ने ध्वजारोहण कर बढ़ाया गर्व

देशभक्ति गीतों और प्रभात फेरियों से गूंजा गांव

**स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो**

कानपुर देहात। स्वतंत्रता दिवस पर शुक्रवार को जनपद में आजादी का जश्न उत्साह और देशभक्ति के रंग में डूबा रहा। विकास खंड मलासा के मलासा गांव में आगामी युवा प्रधान प्रत्याशी रवि सिंह ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय एकता और गर्व का संदेश दिया। कार्यक्रम में गांव के बुजुर्ग प्रेमा सिंह, विजय सिंह, छोटे सिंह समेत अन्य ग्रामीणों ने भी ध्वजारोहण में भाग लिया।

गांव में प्रभात फेरियां निकाली गईं और जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जय हिंद, जय भारत, भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठा। इस मौके पर शिक्षक विपिन सिंह, अरविंद सिंह, राजू सिंह, उमा, लाला, हरभान, कृष्णा, गजेंद्र, बड़े, बउआ, मुन्ना, शिव सिंह, सत्तन सिंह, श्याम सिंह सहित अनेक युवाओं ने झंडारोहण कर देश के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

# ओलंपियन से इनामी सुशील कुमार की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने की रद्द

**नई दिल्ली।** ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी है। सात दिन में सरेंडर का आदेश दे दिया है। जूनियर पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड में कोर्ट ने सुशील को सात दिन में सरेंडर करने का आदेश दिया है। दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में उस काली रात हुए एक जुर्म ने देश के सबसे बड़े पहलवान की तकदीर पलट दी। फरारी के दिनों में वो ठिकाने बदलता रहा। पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस करती रही। उसका गैंगस्टर कनेक्शन भी सामने आया और पुलिस देशभर में उसे तलाश करती रही। बाद में वो सलाखों के पीछे जा पहुंचा।

# राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा'

## असली चुनौती बीजेपी से ज्यादा प्रशांत किशोर?

» राहुल गांधी का दावा है कि यह मुहिम वोट चोरी रोकने और संविधान बचाने के लिए है

» सवाल यह है कि इस यात्रा की असली चुनौती एनडीए से ज्यादा 'जन सुराज' तो नहीं!

» रोशन मिश्रा, स्वराज इंडिया

**लखनऊ।** राहुल गांधी एक बार फिर सड़क पर उतरने को तैयार हैं। भारत जोड़ो और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद अब वे 17 अगस्त से बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' शुरू करने जा रहे हैं। उनका दावा है कि यह मुहिम वोट चोरी रोकने और संविधान बचाने के लिए है। लेकिन सवाल यह है कि इस यात्रा की असली चुनौती एनडीए से ज्यादा 'जन सुराज' और प्रशांत किशोर तो नहीं होंगे?

243 सीटों वाले बिहार में कांग्रेस फिलहाल सिर्फ 19 विधायकों के साथ हाशिए पर है। जातीय समीकरणों से बंधी राजनीति में उसका कोई ठोस वोट बैंक नहीं है। बीजेपी के पास हिंदुत्व, जदयू-राजद के पास पिछड़ा-दलित समीकरण और मुस्लिम वोटों का झुकाव ज्यादातर गठबंधन की ओर है। ऐसे में राहुल गांधी का बिहार को यात्रा का केंद्र बनाना चुनावी दृष्टि से बड़ा दांव है, खासकर तब जब विधानसभा चुनाव नजदीक माने जा रहे हैं।

दूसरी तरफ, प्रशांत किशोर, जिन्होंने 2022 से चंपारण से 'जन सुराज' की शुरुआत की-अब तक बिहार के कोने-कोने में अपनी पहचान बना चुके हैं। पीले गमछे का उनका प्रतीक और 'जय बिहार' का नारा जाति-धर्म की रेखाएं धुंधली करने का दावा करता है। पीके न सिर्फ बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दे उठा रहे हैं बल्कि दागी उम्मीदवारों को वोट न देने की खुली अपील भी कर रहे हैं। यह रुख उन्हें परंपरागत नेताओं से अलग करता है।

राहुल गांधी के सामने अब दो मोर्चे हैं-बीजेपी-एनडीए के खिलाफआरोपों को धार देना और साथ ही पीके जैसे गैर-गठबंधन खिलाड़ी से सीधी चुनौती का सामना करना। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा को कितनी जनता का समर्थन मिलेगा और क्या यह पिछली यात्राओं की तरह असर डाल पाएगी, यह 17 अगस्त के बाद साफ होगा।

# स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बिहार सरकार का तोहफा!

## PT प्रतियोगी परीक्षा का शुल्क मात्र 100 रुपये

**पटना।** स्वतंत्रता दिवस पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के युवाओं को डबल गिफ्ट दिया है। उन्होंने राज्य में आयोजित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का आवेदन शुल्क घटाकर 100 रुपये कर दिया है, साथ ही मेन्स एग्जाम का शुल्क माफकर दिया। यह जानकारी मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया से साझा की। उन्होंने एक्स पर कहा, राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करने तथा उनका भविष्य सुरक्षित करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाए हैं। राज्यस्तरीय सरकारी नौकरी हेतु सभी आयोगों यानी बीपीएससी, बिहार कर्मचारी चयन आयोग आदि द्वारा आयोजित प्रारंभिक (PT) प्रतियोगी परीक्षाओं के शुल्क में एकरूपता लाकर अभ्यर्थियों को छूट देने का निर्णय लिया गया है।